वी.यू. का रूस की सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी मेडिसिन से करार

विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में रूस की सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी मेडिसिन से डॉ. हर्षा पंडरंगी का आगमन आज विश्वविद्यालय में हुआ, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो सीता प्रसाद तिवारी जी ने कार्यक्रम में रूस से पधारे हुए डॉ पंडरंगी जी का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी जी ने कहा कि ऐसे अनुबंधों से न सिर्फ तकनीकी एवं व्यवहारिक ज्ञान का आदान–प्रदान छात्रों तथा शिक्षकों के मध्य होता है अपितु अंतर्देशीय संबंध भी मजबूत होते हैं साथ ही वैश्विक स्तर पर व्याप्त समस्याओं का निराकरण करने में सरलता होती है, साथ ही समझ एवं विचारों का विकास भी संभव हो पाता है, छात्रों को नैतिक मूल्य समझने और सांस्कृतिक समझ विकसित करने में मदद मिलती है, कार्यक्रम के दौरान डॉ. हर्षा जी द्वारा विडिओ प्रजेंटेशन के माध्यम से रुस विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त परिचय भी दिया गया। वैज्ञानिक डॉ. हर्षा ने बताया की उन्होंने

पशु चिकित्सा सर्जरी में डी.वी. एम. डिग्री और मास्टर डिग्री भी हासिल की है, सेंट पीट्सबर्ग यूनिवर्सिटी में शैक्षिणक कार्यों के साथ प्रायोगिक गतिविधियों में भी विशेष बल दिया जाता रहा है। सेंट पीट्सबर्ग यूनिवर्सिटी में लगभग 3000 से अधिक छात्र–छात्राएं अध्यनरत हैं, 23 पृथक विभाग वृहद संग्रहालय, अनुवांशिकी लैब, पूर्णतः उपकरण युक्त, डिजिटल लाइब्रेरी तथा 4 वृहद संग्रहालय हैं जहां 10000 से अधिक जीवों के स्पेसीमेन

रखे गए है, एवं शोधकार्य सम्बन्धी वृहद प्रयोगशाला भी उपलब्ध है। एन.डी.वी.एस.यू. जबलपुर तथा रूस की एस.पी.एस.यू. के मध्य हुए अनुबंध के तहत डॉ. हर्षा पंडरंगी ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का दौरा किया एवं विभाग अंतर्गत चल रहे शोध कार्यो के बारे में विषयवार जानकारी एवं जायजा लिया, विभिन्न विभाग के साथ साथ पशु औषध विज्ञान विभाग, वन्य जीव एवं फॉरेंसिक स्वास्थ्य विभाग का भी भ्रमण किया, पशु शरीर रचना विभाग, पशु आनुवंशिकी और प्रजनन विभाग, पशु पोषण विभाग में पशुओ के पोषण से सम्बंधित शोध कार्यो के बारे में विषय विशेषज्ञयों द्वारा जानकारी दी गयी, तथा पशु सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग सहित पशु परजीवी विभाग में परजीवी प्रयोगशाला में संगृहीत किये गए विभिन्न परजीवियों के बारे में भी बताया गया। इसके साथ पशुपालन एवं कृषि प्रक्षेत्र का भी दौरा किया। डॉ हर्षा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें वी.यू. जबलपुर में भ्रमण के दौरान सभी शोध सम्बन्धी गतिविधियाँ तथा शैक्षणिक सहायक सामग्री बेहद पसंद आई और सीटी स्कैन और वन्य जीवन केंद्र जैसे नैदानिक तौर–तरीकों को देखकर प्रसन्नता का अनुभव हुआ।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी, संचालक अनुसंधान डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. मधु स्वामी, संचालक प्रक्षेत्र डी.आर. लखानी अधिष्ठाता वेटरनरी कॉलेज डॉ. आर.के. शर्मा, अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय डॉ. एस.के. महाजन, संचालक वाइल्डलाइफ डॉ. शोभा जावरे, संचालक बायोटेक्नोलॉजी डॉ. ए.पी. सिंह, संपदा अधिकारी डॉ. करमोरे, डीएसडब्ल्यू डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. घोष, डॉ. बी. रॉय, डॉ. सोना दुबे, डॉ. गर्ग, तथा समस्त विभागों के प्रमुख जिसमें डॉ. राखी वैश्य, डॉ. अपराशाही, डॉ. रणविजय सिंह डॉ, डॉ. यामिनी वर्मा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मंच संचालन डॉक्टर पी के सिंह द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर